निबन्धन विभाग, उत्तर प्रदेश

लेखपत्र संख्या 1289/77

लेख पत्र की प्रतिलिपि

इस कि अबी मुल्ला व अब्दुलशकूर पुत्रगण हिदा साकिनान मौजा मौपुरा परगना व जिला मुरादाबाद के हैं। जो कि आराजी काश्त मुन्धिरी नम्बरी बही सो खानवे ९८७ से रकबई चार ४ डिसमिल व नम्बरी सात सौ बीस ७२०ख रकबई चौंडवन ५४ - डिसमिल कुल दो २ बिसे छटा रकबई लट्ठाबन ५८ डिसमिल लगानी सालाना पांच रुपये अस्सी ५-८० पैसे जाता नम्बर दो सौ पांच २०५ अब्र डिस्ट्रिक्ट मोयम बाबे मौजा - मौपुरा परगना व जिला मुरादाबाद जिस पर इस मुकिरान वहीस्यतमुन्धिरी के मालिकाना मालिक काबज व दखाल है और जिसकी निस्बत जुमला अख्त्यारात इन्तकालात मालिकाना तन्हा इन मुकरान को हासिल है और आराजी मजकूर उस वक्त तक हर किस्म के बखेड़े कोरा से वक्त बरी व पाक साफ है जिसके बरी व पाक साफ व तन्हा अपने मिलकियत होने का इत्मीनान अपने इल्म जात से मुश्तरी अल को बखूबी करा दिया है। हम नि० अ० अबी मुल्ला (अगठा) हम नि० अ० अब्दुल शकूर (अगठा) - पेज २- लिहाजा बखुशी व रजामन्दी अपनी जिला बदकाये व रिझाये व दखल नाजायज किसी के उस आराजी मुन्धिरी मजकूरा बाला को मय तमामी हक हकूक मुताल्लिका उसके जिसका बाजार मालियत पांच - हजार ५००० रुपये है बिलएवज मुबलिग दो हजार २००० रुपये जिसके निस्फ एक हजार १००० रुपये होते हैं बदस्त डाक्टर प्रमोद कुमार पुत्र श्री कृष्ण कुमार साकिन गान्धी नगर मुरादाबाद के बय करके सही कर दी और बेच दी और कुछ गैर सनद उसका बही तफसील कि मुबलिग ६० सौ ६०० रुपये नकद रजिस्टर बक्त पयाना और मुबलिग एक हजार चार सौ ४०० रुपये बक्त रजिस्ट्री मुश्तरी मजकूर से नकद बकूत माकर तमामि रकमुल्या पर कब्जा व दखल मालिकाना मिस्ल अपने मुश्तरी मजकूर को करा दिया अब मुश्तरी मजकूर सरकारी कागजात में अपना नाम दर्ज करा ले हम को - हम नि० अ० अबी मुल्ला (अगठा) हम नि० अ० अब्दुल शकूर (अगठा) - पेज ३- कुछ उज्र न होगा अब हमारा और हमारे किसी - वारिस का कोई हक व ताल्लुक मालिकाना व दावा किसी किस्म का रकमुल्या से नहीं रहा और न आयन्दा होगा चुनांचे तकायगुलमजलिस उसको अमल में आ गयी जैमानेदरक व इस्तकाक उसका नगदी हम मुकरान के हैं अगर नाप को तफावत बक्त से [illegible] कोल हमारे

हम०

पी० एस० डब्लू० पी०-2 निबन्धन-6-6-75-81,85,000 (आफसेट)

[illegible] मिलेआगार [illegible] मुरादाबाद

सत्य प्रतिलिपि